conif- (i)-101 Isongali sos provided by Jarin Barbhuiyathi 1909. ने १००० - उत्र १०० विस्तु । त्र हु अत्यान कर्म ने ने विस्तु के किया है कि स्तु याःता आविष्ठत आर्त (अगम) प्राप्त वल को १ -) प्राप्ताम् (= \*) प्रमान्नीयते (रामादिक रिक्ष समितातामा तामा संग ३ ुपारत्ना एकाप व्याधीनव्हा निक्तपंत क्रांशिक्षण एकां विदेशीनिक्रां पास एपा, सम्यान स्वरत्नान सन्दी विष्य सन्तिक्षण जीक्षण प्रापन सारीन व्यसानी प्रवस्तिस्त्र क्रियोज ट्यालिश्चत, "आन्न - जोनी दो दाता, कावक जाना, कावक जम्मकाय, ब्राविक द्युपा नाम्, नोविक ब्रुपा नाम् वा...।" अमां इमाव रामा निक्र द्वाया भाम, निक्र वाला भाम ना ज्याना-. ञाचाती खाना , उ. अप्रधात (अम स्मात लाम अस्मान पाना हम. "अनु ४ एकात् वाषा जार्ग प्रक, जास परेनुपुत्र जाना सक्तर्भ लगा व अभाइ को वेजाव डेन्माय किम जिन जा विष्युत्त कार्य अवन अमना दे स्मांमात्रव रामाद्रव अभुराउमा था ज्याना. जावीरव रामा वना वन , 2) 😿 . छोत्पानु । जार्सा कुक् नेए होसका ज्यानाहना कुन , जनमा क. हमाना जिंदा जिंदा है। जिंदी है। जिंदी के अपने कि कार्या करते =) भ्योष परमाना का वेदा उनकी अनुम ज्यापन व्यक्ति व प्रसीका व्यक् कारिक अकाम करीक तुर्गाम का कालाम का कार्या के कारिक मार्थान नाना प्रिष्ट्रा जात्रम द्राक्ष्म पश्चिष्ट्रम, नमून जेत्रम ज्यसानुद्रे ६ भाषा५-इतिन्यु <u>ज्यप्रान्तीन जीरी, (प्रमा, अपूरी ज्य</u> आसानुम्य अपिन्य सम्बर्गित स्वीर जीविश्व उनसाज- अश्रद्धान उ रिसी भ जमार्- भिर्मा जिल्ला ज्यान द्वारा परावस्त वामन-कालि दाछ भगिष्टेल, जाते अव रिशयः सामिताल ताः जाते अव म्विखाय क्षाय मुझ्मवराष्ट्रपत्र म्यूर्वकाव विषेष्ठ विश्वगवन्त्र की नामायः अपन पाआवा वस अ आहारियां अविकाल खिलात लामार्श निम्हित उमार्शनिक पिना रिन्तु आक्रममुवस्थावनाह्ये। (डामश्रमडान अववर्ड डाइनिए राज्याम त्मास्त्रस- खाना निम्मारा १५०१ माना है। निम्मार्थिक

Date 98,08, 84 ालेज अतम लाम्हास हामित पराति स्वतिस्ततं लात् काते । हेण पा । वात इ.सि. प्राप्तमा आधा त्यारा शिवारित १० हो स्वारत (स्वार्य) । १ वित्र स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स् कार्यकार जार है।। याकान न्या है।।। अगाह- विश्व - श्रामा - अगाह अक्षेत्र क्रमारा क्रम विश्व विश्वान नामा वार्रात मानामान होतिहर को विषय कामान होती सन्मान होती है। उद्याम वाउन कार्य प्राकृतिया जार्ष्य क्याय अस्मामजीवन प्रकामन क्यार हार्याजन ना । जीरविक्य :- हमांशीजिश्व ।म त्यसकारे जीविका या विख्य विक्र जाहि ज सत् अने उप्तानत तम्, भानीजि दिवस, वानि, भी , इस्मीत इन्जािक इन्डाप द्वार्डमिर्द्रप् कीश्राद्वप अम्राम पोर्डमा भाम ७। श्राप प्राप्ता भाग एम अक्षािमत् निद्धायुत्वपात पातिक्रित्र ज्यारी स्वक् जिवसा निवस्ता उम्र विकास , जिल्लाहर अवान पृत्ति हिल जेर्ड प्याना क हाअधिन जिल्ले पाला , जनाडामा द्वाना दिनामा त्रा: दिनाही काला है दिना विकास काला दिनाहि कालिय काम कर् 28, 08, वह स्माय कार द्वालाह है। है। है। है। है। है। कार कार्या है। है। है। अनित कार्ग (ही भवाडि के इसरेटी हैंते विस्त के सिका में किस काम साम साम भांआप्रभार्ताल अवान हमर्थाम रिव्या निका , निका आधाराय प्रस्ता मि प्राप्त के का का का जा अध्यान नाता का का का का का का का का मान 6- सामाया क्षाम वामा विकार ्रामा (भारे पारिका भारी), त्याप (भारे पारिका भारी), जीपन्न माञ्चल क्रमांशीपछेष दिन्दान्त्रन अतिनात । म क्रिय वार्टना भाग ण पर्वाहत का द्वारा अवामाणा । भाकादम ज्युकातान असमा, अरी प्रमु त्मीयते नाति है। त्राहित दर्गही दिश्वेष में है। नामम त्याते हैं देव देश किर्छानंत कामा स्मानिक अधिन ज्यानि क्लान वात्रात होतहात रहेन व्यान ति हिल्ला के महानित है स्थान है से स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान जिमित राम कारिया मिनाम यस्त्र है हामित मिने हैं जिया मिनि कार्मात होत माडे नातिवान में हिल लाज निर्माप जारिकारी।" ज्याता अभाव कार्य रिस्कारिय व ततारिक विमासिक क्षेत्रा कार्य अप्राचिक मिल्या २१: 94/29 35540 छात्रा लाग्डस्त देश, वाग-तर्

THE PARTY

Date 28.08 , 24 अम्भाषि वतमात्रा, भिष्ठक, हावन, स्थान-वहमीहित बाह्यत सारायन ज्यानाना जातुरान १८५०भान उ अहरीन्छ रिवल । जासिक- असिक रिमाश्मिल कालकर्मान लगाया दिस्कामिल वास्मिति रेडरमीत है उमाधार्यातात अविकापि कि वार्त लावस्त्र मुवापाएम क्यें खेव लाखांत व्याउमा भाम , दुसकामा हाया , दिल्ला , अह वाल , कर्च प्रिम लाम सिक्सा यतः लापकाष्ठीति गेर्ड योजार ह तार्थेगिय व तार्थेगिय त्रावमात जानम उड्डमायश जिल्ल पान पेपाराहिक वर्षा जीवन भाग्रा हु याजाय विष्कृतिय ज्यादादाकात् वास्तामिन्यूव औवनी हैं विजे अभिने विभिन्न भागित । अपने कार्य वादानादिका था - प्राप्ति भारिक ब्लावेब्र्स रिव्रेन , कि [फाति। काजि [मोकार्य आघारजन रिव्रेन , जेघाउँ [दिए द्वीत जाक्रिक्त प्रयाप रिव्रेन , अप्रे वक्ष क्या नियाव्यक्त रिव्यन्ता, [डाऊ पारवरमा-वामिकार-अन्न असता, असत नहीं पान हत्ता र्माहुङ (भाषाह | वाक अनिन अस्ती । जान आपण जा असकानीन प्रसामित भीषम् भीलम् जोद्र एमांलाः प्राधीम् यारलात् असाउम्मनं पद्राह्मत् त्रविद्यार हों अर्थि अर्थि 🕝 📭 . आधीत पार्ताएं ऑसीमोजक पैनाइजंक अहस्मा के पिन्नी प्रे ज्यानाहना क **अभ**या म. भाषा अध्याक मा जात लाला अभवा अ: वारला स्नीविक्त साजवारित स्मानिकत न्याम निमम कत । 💥 पा:ला खनाच पीढ़ि जाहीनण्डा स्नीवेण पानिह 🤉 अहित क्तिय, विक्रम ३ दिक्ताय सर्वक्रिक न्यानास गर्छ । ज्ञाक्रिक्रवाद्यात स्थानं विद्या क्रिक्रवाद्य क्रिक्रव क्रिक्रव क्रिक्रव क्रिक्रव क्रिक्रव क्रिक्रव मिना जी सबी प शामा है। जे वांजवाम दामान वामून नाम रिक दूर्जी हो जो गाउ ्राविकाय क्षायन संदर्भिकारिया जाते हैं सम्मार्थिय ते स्मित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र स भिष्क १९५५ - सिक्सिक स्मित्र समित्र क्षित्र सम्मित्र स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व स्थान के क्षित्र स्वाप्ति स्व क्षान्त्र वाःला साम्बल खाउँ अवन ज्यानास्त्र स्माई वर्मा 4 - 1 -14 6 3 h-16 1 7 10 3 1 200

(Saathi)

(Saathi)

कार पह मुख्य प्रीक्षाम्य :- स्मिष्म ज्ञान विकासमान स्मिष्ट्र हुन है। स्मित्र क्ष्मित्र कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य क्ष्मित्र कार्य कार् प्राप्ताकाल - हमार्गिछ उपलाश सांहेदक शहनाकाल प्रेम्माश पिकार आजी सक

अद्भिष्ठा जाष्ट्र , वराख्यताम क्याप्ती अधानातम । वायापा प्रवृत्ति व स्वान याम प्रिमेण कार्यायमा जात भिरमान जाने माणा हाते नाम जारस क्षिणकीय वर्षित. यदाः । भागामहाला जिल्हा । भाग मामक अपवकीत

Stall on the origin and Derelopment of Bengali Language Mer Albert Stop Stall of Stall The origin and Derelopment of Bengali Language Mer Albert Solor of Stall This काविर्म ) स्थलार सा उन्यायां को उन्याय के उनस्थ निर्देश लात स्मालिकित तेर्या तामीत क्रिक्स क्रिक्स मामकत क्रालिक देशाही

प्यायम करा द्वारा व्याप्त । एामा • ७ ४ माप्युक्तत क्या द्वारा लग्नन व्याप्त एता, सम्मानाम सम्बी र्योक्त आर्थिकता खाँभेदा दिगानम सार्तन खेलाण्यी तेवश्रीका (वंभाणि क्षणां आमित जाकार्य प्रमुखायम , जोडे १र्माय प्रमा ड्याम्य २७ खडनार ज्यापी वालाइन , भांत काम रेमाइ ह्वायम माम , रेमाइ विद्या नाम ता ज्यान . जासीवी लागा, जापाय ७, झक्षराय १५०० हमीच लाग अखिन गालाक्ष्म, कार्यकात द्वापन जनमें अक अवः विकाशन कार्य गाव २५०। त्रमणड्वे वर्गायात्रंत त्यात्रक अन्तरारात्रा पा ज्याला-ज्यात्रा The man Has

क्षानायु = अकालीर अभावाम्य स्वायु स्वायु आवाय्य द्वारे रहे विश्वनिकाशिय नाप्त अधिमा नामा जावा जाता अधिन अधिन अधिन अधिन प्रभक्षणा, काक्षणा, ज्यानिक विद्यार्थित केंग्रामित स्थित क्षेत्र क्षेत्र कार्या क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्वक्षणात्र क्षेत्र काक्षणात्र क्षित्र व्यवस्थित क्षेत्र व्यवस्थित क्षेत्र क्षेत क्रिम्न . मर्वाक्रमाडाम जारम् आरीमात्राम निर्माद्व दम्पाक्र द्रमावारमा अकाल कार हाम प्राप्त केत भीय कामी ति किता आप रामित अभी प्या जीया कर रिमप्तानिय मध्न अपाल रिलामी क्षेत्र जीय जीया सदा खना जाय केराव दिलाहे। दिली श्रीमाहित भारतिक के उति ।

saathi Date 48/8/24/1 व्यापा दुर्भाताम भाषा । वर्ष दिर्दा उता किन्य मनाहि अभन कीत समुराजात लासीत व्यक्ति कार्तात Shoul question ans :-याःना ५ मित्रे पुरास जीति पित्रामांत कार्ताहित , २२: कार्त समाभागकता श्रीही On : briven . हर्भाषक हमा हमूक घाक्य यज्ञात वहना <sub>।</sub> 🚷 भिरासम कि अपूर विकास लिएक ऑर्पिकार काशन १ Any ध्रमञ्जूनात भाष्ट्री अञ्चाषम् निमानित ज्ञासत्त्रनात् निक् 20109 भिष्मातु आसल नाप्त की २ अयः, ख्रांतिकानाप्त यो १ Ani: Wishtelam, ख्रिडीनिए तास = हमीयह , पिश्वत देवत विद्या हुन १ **ाल भागात उनत्र** , ans: 🔗 भिष्णित्र क्षिप शिष्ट्र साम्बा कुळ् अवर क्यूमिट यह पाउँचा यासीनः स्रोतः नाट पहित्र साम्बा ४० टि । २९ २५, 86 अद्भान खूँ ता लाम अया २७ अद्भान पामत्रे केन् 🕜 छमाला कार्य विभागा विमाय विके नाम अर्थाप्ता अर्थाप्ता अर्थाप्ता मिर्मा वित्रवर्ष मानि वर्षीम् औरवर्ष प्रश्निम । भारतः वर्ष्णाम भिर्माणी अवापम – वर्षामा नव्यास स्वर्ण नाष्ट्राना उत्परम निष्ति शात उ भाषा " ताम अयोगिक विशोधित । हर्मान्य पर्याप्त थायाण क्लाग्रहाम साम्री जाश क्रांब कार DAVIN SILAN DE LUNGO DE CULTURES (195 

Date 2 169 24 **छ।** यानानं न ि म्हिन स्थान कि नाता का कि कि कि अपने से कि कि अपने The origin and development of bengale ( क्यां मिल हम्मा स्थान होता है। Ant: १४ प्राया प्राप्तीय आठ - ४भीनाम्य किया प्रीचार एता। वाजक स्थाया प्राप्त ज्यायाय काणक स्थाया साम ना , जन 23 लागा आमा - ऑ<sup>स</sup>र्गान खामा । (२०) हमामाण्य कांच्य उपल्या काळ २ Ans: 28 5111, ५५) हमांय प्रियपी काबुयाकृत क्यायकात्रक (क.२ प्रयाः अवग्राम् माप्त विक चिन्त्रकी जज्ज्ञयाम्यान्य अस्यान्य - . त्र्यायान द्वारा अनुवाम्यान नाम - क्यो छेल्या । स्नुकारि स्माला की चित्रसार सामा है। उनिवा उम्बी हा सम्पत रमायाम्य ध्रम 301 Short 2 अनु । अना या रावे नाता क्रमक दिने, 111111 भाषामु जामि काय स्मान भिष्मित्र सांक्रश्राप्त कार्य कार् वाकि जाम महार्थ रिवास्तराह Ams:

A SE A A A A A A Merche Content of the Suche Date 2 ,00, 24 २८) हमांस्मान अभयन भीवन काना नाप्त क्कुनी नाम. (जिला ) हर्मामाणव पिरम्मानाव कार कार का विस्त वा विस्त व द्वस्त्रक लाम्। Ans'-न्द्रिष्ठ त्याम बाह्य १३ क्यों ने चिन्या अपूर्व नाप्त Am 6 जीएं सम्मान थिए पर (२) प्री उडायानित संस्मान् को भाषान्य आक्षुक जिल्लायात एक विकारित ना Ams: जिल्लाकात शुल्ला : अनिकार जिलादित नाहा :- निस्ना जिल्ला ज्ञाना जिल्ला 20) उर्यमन , अनुश्लान (छात्रा, क्रमन्त्रान ।। अर्यकाम हन्नांना र्यायता प्रतिवालत -) या मानालाल प्रमुक्तात , अनुतीिक श्रामान = 1 १४० - २२०० ि स्वाधानमा भविष्णा 6 680 -2200 स्वा श्रम्तु भागा 000 - 0200. THE in in la ful L. Burn Jack HEROTER IN DULL BUILT Hiller Bills Bull ! 16 love | Dull wife 1 Special popular